Syllabus and* Semester *Course Scheme

Academic year 2024-25

Type

M.A. – Sanskrit

Exam.- 2024 & 2025

UNIVERSITY OF KOTA

MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India

Website: uok.ac.in

MASTER OF ARTS

SUBJECT - SANSKRIT

SCHEME OF SEMESTER EXAMINATION, 2024-2025

Course Code : SAN 11100 T

Period per week- **06** Credit - **06**

Each Theory Paper 3 hrs. duration 100 Marks

Internal Assessment 50 Marks

Total = 150 Marks

Continuous Assessment Weightage					**External Assessment Weightage**	**Total Marks (Total Credit)**
Regular Students		**Private Students**		**Total**	Paper Based External Evaluation (End Tarm Examination)	
Mid-Term	Seminar/Project Report/Presentation	Report Writing	Viva-voce			
30	20	30	20	**50**	100	**150 (06)**

The Master of Arts Sanskrit is a two-year course divided into four- Semesters. A Student is Required to complete 100 Credits for the completion of course and the awaed of Degree.

M.A. I Year Semester Programme Structure

Year/ Semester	**Serial Number, Code & Nomenclature of Paper**			**Type of Course** / Elective	**Teaching Hrs/ Week & Credit**			**Distribution of Marks**			**Min.PassMarks**	
	Category	Paper/Course Code	Nomenclature		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
I Year/ I Semester	DCC	I/ SAN 101	वैदिक साहित्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	II/ SAN 102	संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	III /SAN 103	भारतीय दर्शन	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ I Semester	DCC	IV/ SAN 104	भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
			Total		**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

I Year/ II Semester	DCC	V/ SAN 201	उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VI/ SAN 202	संस्कृत रूपक और खण्डकाव्य	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VII/ SAN 203	योग, वेदान्त और चार्वाक दर्शन	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
I Year/ II Semester	DCC	VIII/SAN 204	संस्कृत व्याकरण	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
	AEC	Best Choice **CHOI B01**	वैदिक संहिता	EC	2		2	50	50			20
			Total		**26**	**-**	**26**	**250**	**450**	**600**		

वर्ग (अ) साहित्य : II Year Semester Programme Structure

Year/ Semester	Serial Number, Code & Nomenclature of Paper			Type of Course / Elective	Teaching Hrs/ Week & Credit			Distribution of Marks			Min. Pass Marks	
	Category	Paper/Course Code	Nomenclature वर्ग (अ) साहित्य		L	P	C	Internal Assess.	Sem. Assess.	Total Marks	Internal Assess.	Sem. Assess.
II Year/ III Semester	DCC	XI / SAN 301	संस्कृत काव्य शास्त्र	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ III Semester	DCC	XII /SAN 302	व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ III Semester	DSE	XIII A/ SAN 303	काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू	EC	6	--	6	50	100	150	20	40
		XIII B/ SAN 303	अथवा भास I									
		XIII C/ SAN 303	अथवा कालिदास I									
II Year/ III Semester	DSE	XIV A/ SAN 304	(अ) नाटक एवं नाट्यशास्त्र	EC	6	--	6	50	100	150	20	40
		XIV B/ SAN 304	अथवा (ब) प्रकरण एवं नाट्यशास्त्र									
	AEC	Best Choice **CHOI B02**	लौकिक काव्य	EC	2		2	50		50		20
			Total		**26**	**-**	**26**	**250**	**400**	**650**		

II Year/ IV Semester	DCC	XVI/ SAN 401	काव्यप्रकाश एवं ध्वन्यालोक	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IV Semester	DCC	XVII/ SAN 402	व्याकरण, निबन्ध एवं अनुवाद	CC	6	--	6	50	100	150	20	40
II Year/ IV Semester	DSE	XVIII A/ SAN 403	गद्य एवं पद्य काव्य	EC	6	--	6	50	100	150	20	40
		XVIII B/ SAN 403	अथवा भास II									
		XVIII C/ SAN 403	अथवा कालिदास II									
II Year/ IV Semester	DSE	XIX A/ SAN 404	शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख	EC	6	--	6	50	100	150	20	40
		XIX B/ SAN 404	अथवा आधुनिक संस्कृत साहित्य									
		XIX C/ SAN 404	अथवा लघु शोध प्रबन्ध									
			Total		**24**	**-**	**24**	**200**	**400**	**600**		

एम.ए. सेमिस्टर प्रथम
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – वैदिक साहित्य
Paper Code : SAN - 101

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – ऋग्वेद – मरुत् (1.85), रुद्र (2.33) उषस् (4.51) वरुण (7.86)
2. द्वितीय इकाई– ऋग्वेद– पुरूषसूक्त (10.90), हिरण्यगर्भ 10.121, वाक् (10.125), नासदीय (10.129)
3. तृतीय इकाई– संवादसूक्त– 1. विश्वामित्र–नदी (3.33), 2. यम–यमी (10.10), 3. पुरूरव–उर्वशी (10.95) 4. सरमा–पणी (10.108)
4. चतुर्थ इकाई – अथर्ववेद– राष्ट्राभिवर्धनम् (1.29), पृथिवी (12.1), काल सूक्त (19.53)
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (ऋग्वेद, अथर्ववेद एवं संवादसूक्त)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम से और एक मंत्र की व्याख्या हिन्दी माध्यम (8+8=16 अंक) से पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ से 2–2 मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। पंचम इकाई से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. ऋक् सूक्तसंग्रह – डॉ. हरिदत्त शास्त्री
2. ऋग्भाष्यसंग्रह – डॉ. देवराज चानना, दिल्ली
3. वैदिक वाड्.मय एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4. ऋग्वेद भाष्य – स्वामी दयानन्द
5. वैदिक स्वर मीमांसा – पं. युधिष्ठिर मीमांसक
6. वैदिक स्वर बोध – ब्रज बिहारी चौबे
7. वैदिक साहित्य – रामगोविन्द त्रिवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत साहित्यशास्त्र एवं आख्यायिका
Paper Code : SAN - 102

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) – प्रथम परिच्छेद (सम्पूर्ण)
2. द्वितीय इकाई – साहित्य दर्पण (आचार्य विश्वनाथ) – द्वितीय परिच्छेद (सम्पूर्ण)
3. तृतीय इकाई– साहित्यदर्पण (आचार्य विश्वनाथ)–तृतीय परिच्छेद 1–28 एवं छठा परिच्छेद 1–30 कारिका
4. चतुर्थ इकाई – हर्षचरितम् (बाणभट्ट) – प्रथम उच्छ्वास
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (साहित्य दर्पण एवं हर्षचरितम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक कारिका की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (8+8=16 अंक) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय एवं तृतीय से 2–2 कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से दो अंशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. साहित्य दर्पण – डॉ. निरूपण विद्यालंकार
2. साहित्य दर्पण – आचार्य शालिग्राम शास्त्री (विमल टीका)
3. हर्षचरित : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
4. हर्षचरित – पी.वी. काणे
5. हर्षचरित – एम.आर काणे

तृतीय प्रश्न पत्र – भारतीय दर्शन
Paper Code : SAN - 103

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) – 1 से 36 कारिका
2. द्वितीय इकाई – सांख्यकारिका (ईश्वरकृष्ण कृत) – 37 से 72 कारिका
3. तृतीय इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) – प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त
4. चतुर्थ इकाई – तर्क भाषा (केशवमिश्र कृत) – उपमान प्रमाण से प्रामाण्यवाद पर्यन्त
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (सांख्यकारिका एवं तर्कभाषा)

विशेष निर्देश– खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक कारिका की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 कारिकाओं की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से 2–2 अंशो की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. सांख्यकारिका – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
2. सांख्यकारिका – डॉ. विमला कर्नाटकर
3. सांख्यतत्व कौमुदी – रामशंकर भट्टाचार्य
4. तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
5. तर्कभाषा – पं. बद्रीनाथ शुक्ल, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
6. तर्कभाषा – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
7. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय दर्शन – डॉ. उमेश मिश्र, हिन्दी समिति उत्तरप्रदेश सरकार, लखनऊ
9. भारतीय दर्शन – दत्ता एंव चटर्जी (हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण)

चतुर्थ प्रश्न पत्र– भाषा–विज्ञान तथा शास्त्रीय साहित्य का इतिहास
Paper Code : SAN - 104

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का अर्थ, भाषा की उत्पत्ति तथा विकास
2. द्वितीय इकाई – ध्वनि–विज्ञान, उच्चारण–अवयव, ध्वनि–परिवर्तन के कारण, प्रसिद्ध ध्वनि–नियम
3. तृतीय इकाई – अर्थ विज्ञान – अर्थ परिवर्तन के कारण एवं अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ।
4. चतुर्थ इकाई– भाषाओं का आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय–परिवार की विशेषताएँ केण्टुम–शतम् वर्ग। भारतीय भाषाओं का अध्ययन, वैदिक–लौकिकसंस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश भाषाएँ।
5. पंचम इकाई – शास्त्रीय साहित्य का इतिहास वास्तु, ज्योतिष, गणित, अर्थशास्त्र, आयुर्वेद तथा अलंकार शास्त्र का संक्षिप्त परिचय।

विशेष निर्देश–खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से पंचम तक एक–एक सामान्य प्रश्न अथवा दो–दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. भाषा–विज्ञान – भोलानाथ तिवारी
2. संस्कृत–भाषा–विज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3. भाषा का इतिहास – श्री भगवद्दत्त
4. संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन– डॉ. भोलाशंकर व्यास, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
5. आयुर्वेद का वैज्ञानिक इतिहास – प्रियव्रत शर्मा
6. आयुर्वेद का प्रामाणिक इतिहास – भगवत राम गुप्त कृष्णदास अकादमी, वाराणसी
7. भारतीय ज्योतिष – डॉ. नेमीचंद शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, वाराणसी
8. भारतीय ज्योतिष– डॉ. शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति, लखनऊ उ.प्र.
9. ज्योतिष विज्ञान निर्झरी – राजस्थान संस्कृत अकादमी प्रकाशन, जयपुर
10. सुगम ज्योतिष प्रवेशिका – गोपेश कुमार ओझा
11. वास्तुशास्त्र प्रबोधिनी – सीताराम शर्मा, राजस्थान ज्योतिष परिषद् एवं शोध संस्थान, जयपुर ।

एम.ए. सेमिस्टर द्वितीय
संस्कृत साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – उपनिषद् एवं वेदांग साहित्य
Paper Code : SAN - 201

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – कठोपनिषद् (प्रथम वल्ली)
2. द्वितीय इकाई– कठोपनिषद् (द्वितीय वल्ली)
3. तृतीय इकाई – निरुक्त – यास्क (प्रथम अध्याय)
4. चतुर्थ इकाई – निरुक्त – यास्क (द्वितीय अध्याय)
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (कठोपनिषद् एवं निरुक्त)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक मंत्र की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक मंत्र की व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से 2 मंत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो अंशो की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से चार पदों का निर्वचन (4×4=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. कठोपनिष्द् – गीताप्रेस गोरखपुर
2. फिलोसोफी ऑफ द उपनिषद्स – एस. राधाकृष्णन
3. निरुक्त – आचार्य विश्वेश्वर
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा मन्दिर, वाराणसी

द्वितीय प्रश्न पत्र – संस्कृत रूपक तथा खण्डकाव्य
Paper Code : SAN - 202

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – मेघदूतम् (कालिदास)
2. द्वितीय इकाई – वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 1 से 3 अंक
3. तृतीय इकाई – वेणीसंहारम् (भट्टनारायण) 4 से 6 अंक
4. चतुर्थ इकाई – रत्नावली (श्रीहर्षदेवकृत)
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (मेघदूतम्, वेणीसंहारम् एवं रत्नावली)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और दो सूक्तियों की हिन्दी व्याख्या (4+4=**8 अंक**) पूछी जाएगी। द्वितीय एवं तृतीय इकाई से 2–2 पद्यों की संप्रसग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से 2 अंशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. मेघदूतम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
2. मेघदूतम् : एक अध्ययन – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल
3. मेघदूतम्– प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र, निर्मल बुक एजेंसी, कुरुक्षेत्र
4. वेणीसंहारम – तारिणीश झा
5. वेणीसंहारम – रामदेव झा एवं आदित्य नारायण पाण्डेय, चौखम्बा अमर भारती प्रकाशन, वाराणसी
6. रत्नावली – रामचन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरिज, वाराणसी
7. रत्नावली – डॉ. राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर, चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

तृतीय प्रश्न पत्र – योग, वेदान्त एवं चार्वाक दर्शन
Paper Code : SAN - 203

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – वेदान्तसार (सदानन्द कृत)
2. द्वितीय इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – समाधिपाद
3. तृतीय इकाई – योगसूत्र (पतंजलि कृत) – साधनपाद
4. चतुर्थ इकाई – चार्वाक दर्शन – सर्वदर्शन संग्रह से
5. पंचम इकाई – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (वेदान्तसार एवं योगसूत्र)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय एवं तृतीय से 2–2 सूत्रों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से एवं इकाई पंचम से एक–एक सामान्य प्रश्न अथवा दो–दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. पतंजलि योगसूत्र – चौखम्बा संस्कृत प्रकाशन, वाराणसी
2. वेदान्तसार – डॉ. शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
3. वेदान्तसार – डॉ. सन्तनारायण श्रीवास्तव
4. सर्वदर्शन संग्रह – माधवाचार्य, चौखम्बा विद्याभवन प्रकाशन, वाराणसी

चतुर्थ प्रश्न पत्र – व्याकरण शास्त्र एवं अनुवाद
Paper Code : SAN - 204

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. प्रथम इकाई – लघु सिद्धान्त कौमुदी – प्रक्रिया भाग (णिजन्त से नामधातवः तक)
2. द्वितीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी – प्रक्रिया भाग (आत्मनेनद से लकारार्थ तक)
3. तृतीय इकाई – लघु सिद्धांत कौमुदी – कारक प्रकरण प्रथम से चतुर्थ विभक्ति
4. चतुर्थ इकाई– लघु सिद्धांत कौमुदी – कारक प्रकरण पंचमी से सप्तमी विभक्ति
5. पंचम इकाई – अनुवाद (अपठित गद्यांश/पद्यांश का हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से चतुर्थ के दो–दो भाग होंगें (अ) दो–दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या और (ब) दो–दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8+2×4=8)=16 अंक। इकाई पंचम से अपठित एक हिन्दी अवतरण का संस्कृत में अनुवाद तथा एक संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद (8+8=16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ :

1. लघु सिद्धांत कौमुदी – भीमसेन शास्त्री
2. लघु सिद्धांत कौमुदी – महेश सिंह कुशवाह
3. लघु सिद्धांत कौमुदी – डॉ. अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर
4. एम.ए. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
5. संस्कृत–व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी,
6. व्याकरण शास्त्र का इतिहास – युधिष्ठिर मीमांसक
7. कारक दीपिका – श्री मोहन वल्लभ पन्त

एम.ए. द्वितीय सेमिस्टर

(Choice Best Credit System)

पेपर CHOI B01 - वैदिक संहिता

समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

1. इकाई प्रथम – संहिता भाग
2. इकाई द्वितीय – ब्राह्मण भाग
3. इकाई तृतीय – आरण्यक भाग
4. इकाई चतुर्थ – वैदिक देवता
5. इकाई पंचम – वेदों का काल निर्धारण

सहायक ग्रन्थ –

1. वैदिक साहित्य और संस्कृति – बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. भारतीय संस्कृति का विकास (वैदिक धारा)– डॉ. मंगलदेव शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन

एम.ए. सेमिस्टर तृतीय
संस्कृत साहित्य
वर्ग (अ) साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – संस्कृत काव्य शास्त्र
Paper Code : SAN 301

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1 प्रथम इकाई – काव्यप्रकाश (मम्मट)– प्रथम उल्लास
2 इकाई द्वितीय – काव्यप्रकाश (मम्मट)– द्वितीय उल्लास
3 इकाई तृतीय – काव्यप्रकाश (मम्मट)– तृतीय एवं चतुर्थ (रसस्वरूप विमर्श)
4 इकाई चतुर्थ – वक्रोक्तिजीवितम् (कुन्तक)– प्रथम उन्मेष
5 इकाई पंचम– काव्यशास्त्र के प्रमुख सम्प्रदाय

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक सामान्य प्रश्न (**16 अंक**) पूछा जायेगा। इकाई द्वितीय से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से एक व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक व्याख्या हिन्दी माध्यम से (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई चतुर्थ से दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
3. संस्कृत काव्य शास्त्र का इतिहास – डॉ पी.वी. काणे
4. संस्कृत पोइटिक्स – डॉ. एस. के. डे (संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास)
5. भारतीय साहित्य शास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ. जी.टी. देश पाण्डे
7. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास
8. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष) – श्री परमेश्वरदीन पाण्डेय (सुधा संस्कृत हिन्दी व्याख्योपेतम्)

द्वितीय प्रश्नपत्र – व्याकरण एवं व्याकरणशास्त्र का इतिहास
Paper Code : SAN – 302

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा।

1. इकाई प्रथम – लघु सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा प्रकरण एवं संधि प्रकरण
2. इकाई द्वितीय – लघु सिद्धान्त कौमुदी – पूर्वकृदन्त प्रकरणम्
3. इकाई तृतीय – लघु सिद्धान्त कौमुदी – उत्तरकृदन्त प्रकरणम्
4. इकाई चतुर्थ – लघु सिद्धांत कौमुदी – स्त्री प्रत्यय प्रकरणम्
5. इकाई पंचम – संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास (उद्भव, विकास एवं प्रमुख आचार्य)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से चतुर्थ के दो–दो भाग होंगें (अ) दो–दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या और (ब) दो–दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8+2×4=8)=16 अंक। इकाई पंचम से एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी। (16 अंक)।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. संस्कृत व्याकरण – डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
2. सरल संस्कृत व्याकरण– प्रो. बाबूलाल मीना, रचना प्रकाशन, जयपुर
3. संस्कृत व्याकरण – डॉ. अर्कनाथ चौधरी
4. संस्कृत व्याकरण – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या – पं. भीमसेन शास्त्री
6. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. धरानन्द शास्त्री
7. लघुसिद्धांत कौमुदी – डॉ. महेश सिंह कुशवाह
8. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास– आचार्य श्रीयुधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा पब्लिशर्स, वाराणसी
9. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का संक्षिप्त इतिहास– श्री रमाकान्त मिश्र, विद्याभवन, वाराणसी

तृतीय प्रश्न पत्र – वर्ग (अ) साहित्य
(1) काव्य गद्य, पद्य एवं चम्पू
Paper Code : SAN – 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1 इकाई प्रथम – शिशुपालवधम् (माघ)– द्वितीय सर्ग 1–60
2 इकाई द्वितीय – शिशुपालवधम् (माघ)– द्वितीय सर्ग 61–118
3 इकाई तृतीय – कादम्बरी (बाणभट्ट) – महाश्वेता वृत्तांत
4 इकाई चतुर्थ – नलचम्पू (त्रिविक्रम भट्ट)– प्रथम उच्छ्वास
5 इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (कादम्बरी, शिशुपालवधम् एवं नलचम्पू)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम से (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**)। इकाई द्वितीय से दो श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से दो–दो अंशों की सप्रसंग व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. कादम्बरी – डॉ कृष्णावतार वाजपेयी
2. कादम्बरी – साहित्य भण्डार मेरठ
3. कादम्बरी – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
4. शिशुपालवधम् (मल्लिनाथकृत सर्वाङ्कषा व्याख्या) मोती लाल बनारसी दास, दिल्ली
5. नलचम्पू त्रिविकमभट्टकृत – धारादत्तशास्त्री प्र. मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

अथवा (2) भास I
Paper Code : SAN - 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्
2. इकाई द्वितीय – अभिषेक नाटकम्
3. इकाई तृतीय – पंचरात्रम्
4. इकाई चतुर्थ – कर्णभार
5. इकाई पंचम– पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्, अभिषेक नाटक, पंचरात्रम् एवं कर्णभार)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से 2–2 श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

अथवा (3) कालिदास I

Paper Code : SAN – 303

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – रघुवंशम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – रघुवंशम् (पंचम सर्ग)
3. इकाई तृतीय – विक्रमोर्वशीयम्
4. इकाई चतुर्थ – ऋतुसंहार (ग्रीष्मऋतु एवं वर्षाऋतु वर्णन)
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (विक्रमोर्वशीयम्, ऋतुसंहार एवं रघुवंशम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक पद्य व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक पद्य सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय दो पद्यों सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय से दो अशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से दो पद्यों सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र – (अ) नाटक एवं नाट्य शास्त्र
Paper Code : SAN – 304

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – उत्तररामचरितम् (भवभूति)
2. इकाई द्वितीय – नाट्यशास्त्र (भरत मुनि) – द्वितीय अध्याय
3. इकाई तृतीय – दशरूपकम् (धनंजय) – प्रथम प्रकाश
4. इकाई चतुर्थ – दशरूपकम् (धनंजय) – द्वितीय प्रकाश
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (उत्तररामचरितम्, नाट्यशास्त्र एवं दशरूपकम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ से 2–2 कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. उत्तररामचरितम् (हिन्दी व्याख्या) – रामनारायण बेनीमाधव

2. उत्तररामचरितम् – व्या. रमाकान्त त्रिपाठी
3. उत्तररामचरितम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी
4. भरत नाट्यशास्त्र – मनमोहन घोष (अंग्रेजी अनुवाद)
5. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी
6. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
7. नाटयशास्त्रम् (प्रथम द्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
8. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
9. भारतीय नाटय परम्परा और अभिनयदर्पण – वाचस्पति गैरोला
10. नाटय शास्त्रीय पारिभाषिक शब्दानुक्रमणिका – राम जी उपाध्याय
11. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
12. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ. रामजी उपाध्याय
13. दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी

अथवा

चतुर्थ प्रश्न पत्र – (ब) प्रकरण एवं नाट्य शास्त्र

Paper Code : SAN - **304**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – मृच्छकटिकम् (शूद्रक)
2. इकाई द्वितीय – नाट्यशास्त्र (भरत मुनि) – षष्ठ अध्याय
3. इकाई तृतीय – दशरूपकम् (धनंजय) – तृतीय प्रकाश
4. इकाई चतुर्थ – दशरूपकम् (धनंजय) – चतुर्थ प्रकाश
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (मृच्छकटिकम्, नाट्यशास्त्र एवं दशरूपकम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से 2–2 अशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. मृच्छकटिकम् (शूद्रक)– श्रीनिवास शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
2. भरतनाट्यशास्त्र – डॉ ब्रजमोहन चतुर्वेदी
3. भरत नाट्यशास्त्र – डॉ पारसनाथ द्विवेदी
4. नाटयशास्त्रम् (प्रथम द्वितीययाध्यायात्मकम्) – सत्यप्रकाश शर्मा
5. संस्कृत नाट्य सिद्धान्त – डॉ. रमाकान्त त्रिपाठी
6. नाटयशास्त्रीयानुसन्धानम् – रामजी उपाध्याय
7. दशरूपक धनंजय – भोलाशंकर व्यास
8. दशरूपक (नान्दीटीका) – डॉ रामजी उपाध्याय
9. दशरूपक – संपादक रमाशंकर त्रिपाठी

एम.ए. तृतीय सेमिस्टर

(Choice Best Credit System)

पेपर CHOI B02 - लौकिक काव्य

समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – उपजीव्यकाव्य (रामायण व महाभारत)
2. इकाई द्वितीय – महाकाव्य (बृहत्त्रयी– किरातार्जुनीयम्, शिशुपालबधम् व नैषधीयचरितम्)
3. इकाई तृतीय – नाट्य काव्य (कालिदास)
4. इकाई चतुर्थ – गद्य काव्य (सुबन्धु, दण्डी व बाण)
5. इकाई पंचम – शतकत्रय (भर्तृहरि)

सहायक ग्रन्थ –

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा निकेतन, वाराणसी
2. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. उमाशंकर शर्मा
3. संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
4. भारतीय साहित्य शास्त्र की रूपरेखा – डॉ भोलाशंकर व्यास

एम.ए. सेमिस्टर चतुर्थ
संस्कृत साहित्य
वर्ग (अ) साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र – ध्वन्यालोक एवं काव्यप्रकाश
Paper Code : SAN – **401**

समय 3 घण्टे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – ध्वन्यालोक (आनन्दवर्धनाचार्य) – प्रथम उद्योत
2. इकाई द्वितीय – काव्यप्रकाश (मम्मट)– सप्तम उल्लास
3. इकाई तृतीय – काव्यप्रकाश (मम्मट)– अष्टम उल्लास
4. इकाई चतुर्थ – काव्यप्रकाश (मम्मट)– नवम उल्लास (वक्रोक्ति, अनुप्रास, यमक व श्लेष) एवं दशम उल्लास (स्वभावोक्तिपर्यन्त)
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (ध्वन्यालोक एवं काव्यप्रकाश)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक कारिका की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक कारिका की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**)। इकाई द्वितीय एवं तृतीय से दो–दो कारिकाओं की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यप्रकाश (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
2. काव्यप्रकाश – व्या. डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
3. ध्वन्यालोक (लोचन व बालप्रिया टीका सहित) – सम्पादक पं. पट्टाभिराम शास्त्री
4. ध्वन्यालोक (हिन्दी व्याख्या) – आचार्य विश्वेश्वर
5. ध्वन्यालोक (संस्कृत, हिन्दी अनुवाद व व्याख्या) – रामसागर त्रिपाठी
6. आनन्दवर्धन – डॉ. रेवा प्रसाद द्विवेदी

द्वितीय प्रश्न पत्र – व्याकरण, अनुवाद एवं निबन्ध
Paper Code : SAN – 402

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा।

1. इकाई प्रथम – लघु सिद्धांत कौमुदी – समास प्रकरणम्– केवल, अव्ययीभाव एवं तत्पुरूष
2. इकाई द्वितीय – लघु सिद्धांत कौमुदी – समास प्रकरणम्– बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व
3. इकाई तृतीय – लघु सिद्धान्त कौमुदी – तद्धित प्रकरणम् (चातुरार्थिक प्रत्यय पर्यन्त)
4. इकाई चतुर्थ – अनुवाद (अपठित गद्यांश/पद्यांश का हिन्दी से संस्कृत व संस्कृत से हिन्दी)
5. इकाई पंचम – निबन्ध रचना

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से तृतीय के दो–दो भाग होंगें (अ) दो–दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या और (ब) दो–दो पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक सिद्धि (2×4=8+2×4=8)=16 अंक। इकाई चतुर्थ से अपठित एक हिन्दी अवतरण का संस्कृत में अनुवाद तथा एक संस्कृत गद्य अथवा पद्य का हिन्दी में अनुवाद (8+8=16 अंक)। पंचम इकाई में दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा (16 अंक)।

विस्तृत विवरण निबन्ध – वैदिक साहित्य, ललित साहित्य, भारतीय दर्शन, धर्म शास्त्र तथा आधुनिक संस्कृत साहित्य विषयों पर प्रत्येक में से दो विषयों का चयन करते हुए कुल दस विषयों में से किसी एक पर संस्कृत भाषा में निबन्ध प्रस्तुत करना होगा।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. संस्कृत निबन्धशतकम् – डॉ कपिल देव द्विवेदी
2. संस्कृत व्याकरण – डॉ श्रीनिवास शास्त्री
3. संस्कृत व्याकरण – डा. अर्कनाथ चौधरी
4. लघु सिद्धान्त कौमुदी भैमी व्याख्या – पं. भीमसेन शास्त्री
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – पं. धरानन्द शास्त्री
6. लघुसिद्धांत कौमुदी – महेश सिंह कुशवाह
7. वृहद्–अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
8. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
9. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
10. अनुवाद कला – चारूदेव शास्त्री।

तृतीय प्रश्न पत्र–वर्ग (अ)–साहित्य
(1) पद्य एवं गद्य काव्य
Paper Code : SAN - **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)– द्वितीय सर्ग 1–72
2. इकाई द्वितीय – नैषधीयचरितम् (श्रीहर्ष)– द्वितीय सर्ग 73–145
3. इकाई तृतीय – शिवराजविजयम् – प्रथम निःश्वास
4. इकाई चतुर्थ – शिवराजविजयम् – द्वितीय निःश्वास
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (नैषधीयचरितम् एवं शिवराजविजयम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई तृतीय एवं चतुर्थ से 2–2 अंशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. दशकुमारचरितम् – राजपाल एण्ड सन्ज, दिल्ली
1. दशकुमारचरितम् – निरंजनदेव आयुर्वेदांलकार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नैषधीयचरितम् – निर्णय सागर, मुम्बई
3. नैषधीयचरितम् (मल्लिनाथ कृत जीवातु व्याख्या युक्त) चौखम्भा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
4. नैषधपरिशीलन – पं. चण्डिका प्रसाद शुक्ल
5. शिवराजविजयम् – अम्बिकादत्त व्यास

अथवा

(2) भास II

Paper Code : SAN – **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – दरिद्रचारूदत्तम्
2. इकाई द्वितीय – प्रतिमानाटकम्
3. इकाई तृतीय – मध्यम व्यायोग
4. इकाई चतुर्थ – बालचरितम्
5. इकाई पंचम–पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (दरिद्रचारूदत्तम्, प्रतिमानाटकम्, मध्यमव्यायोग एवं बालचरितम्)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। इकाई द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ से 2–2 श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

अथवा

(3) कालिदास II

Paper Code : SAN - **403**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – कुमारसंभवम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – कुमारसंभवम् (चतुर्थ सर्ग)
3. इकाई तृतीय – रघुवंशम् (दशम सर्ग)
4. इकाई चतुर्थ – ऋतुसंहार (वसंतऋतु एवं शरदऋतु वर्णन)
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (कुमारसंभवम्, रघुवंशम् एवं ऋतुसंहार)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक श्लोक की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक श्लोक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ इकाई से दो–दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई पंचम से पाठ्यक्रम सम्बन्धित एक सामान्य प्रश्न अथवा दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

चतुर्थ प्रश्न पत्र– शास्त्रीय साहित्य, प्राचीन साहित्य एवं शिलालेख
Paper Code : SAN - **404**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – काव्यमीमांसा (राजशेखर) – प्रथम अध्याय
2. इकाई द्वितीय – शिशुपालवधम् – प्रथम सर्ग
3. इकाई तृतीय – कौटिल्य का अर्थशास्त्र – (प्रथम अधिकरण)
4. इकाई चतुर्थ – अभिलेखमाला से अभिलेख (रूद्रदामन् का गिरनार अभिलेख, कुमारगुप्त का मन्दसौर (दिशपुर) शिलालेख, समुद्रगुप्त की प्रयागप्रशस्ति, स्कंदगुप्त का जूनागढ़ प्रस्तराभिलेख)।
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (काव्यमीमांसा, शिशुपालवधम् एवं कौटिल्य का अर्थशास्त्र)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक अंश की व्याख्या संस्कृत माध्यम (**8 अंक**) और एक अंश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (**8 अंक**) पूछी जाएगी। द्वितीय इकाई से दो श्लोकों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। तृतीय इकाई से दो अंशों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ एवं पंचम से एक–एक सामान्य प्रश्न अथवा दो–दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–
विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**
विषय आधारित सेमीनार / प्रोजेक्ट रिपोर्ट / प्रस्तुति / मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ

1. काव्यमीमांसा राजेशखर – व्या. डॉ श्री कृष्णमणि त्रिपाठी
2. काव्यमीमांसा – डॉ. रमाकान्त पाण्डेय
3. काव्यमीमांसा (हिन्दी व्याख्या) – साधना पाराशर दिल्ली
4. कौटिल्य अर्थशास्त्र – उदयवीर शास्त्री
5. कौटिल्य अर्थशास्त्र – वाचस्पति गौरोला
6. कौटिल्य अर्थशास्त्र – डॉ रघुनाथ सिंह
7. अभिलेख माला – व्याख्याकार झा बन्धु,
8. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ वासुदेव उपाध्याय
9. भारत के प्राचीन शिलालेख – डॉ पी.के. मजूमदार

अथवा

चतुर्थ प्रश्न पत्र– आधुनिक संस्कृत साहित्य

Paper Code : SAN – **404**

समय 3 घंटे **पूर्णांक 100**

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण हिन्दी भाषा में किया जाएगा। इस प्रश्न पत्र को दो खण्डों में विभाजित किया गया है, जो इस प्रकार है–

खण्ड अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। 10×2 = **20 अंक**

खण्ड ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 350 शब्दों में हो। 5×16 = **80 अंक**

इस प्रश्न पत्र का समस्त पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से पाँच इकाइयों में विभाजित होगा–

1. इकाई प्रथम – पद्मिनी– प. मोहनलाल शर्मा पाण्डेयकृत
2. इकाई द्वितीय – अभिनव शुकसारिका (पूर्वभाग)–प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. इकाई तृतीय – शिवलहरी– डॉ. रामदेव साहू
4. इकाई चतुर्थ – बीसवीं शताब्दी के संस्कृत साहित्यकार (राजस्थान के विशेष संदर्भ में–भट्ट मथुरानाथ शास्त्री, नवल किशोर कांकर, गिरधर शर्मा नवरत्न, श्रीराम दवे, गिरधारी लाल शर्मा, गणेशराम शर्मा)।
5. इकाई पंचम – पाठ्यक्रम से सम्बन्धित प्रश्न (पद्मिनी, अभिनव शुकसारिका एवं शिवलहरी)

विशेष निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम से एक अंश की व्याख्या संस्कृत माध्यम और एक अंश की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक) पूछी जाएगी। द्वितीय इकाई से दो अंशो की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। तृतीय इकाई से दो पद्यों की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या (8+8=16 अंक)। इकाई चतुर्थ एवं पंचम से एक–एक सामान्य प्रश्न अथवा दो–दो टिप्पणी पूछी जायेगी।

आन्तरिक मूल्यांकन – शैक्षणिक अंश **50 अंक,** जिसका अंक विभाजन इस प्रकार है–

विषय आधारित लिखित परीक्षा (मिड टर्म) – **30 अंक**

विषय आधारित सेमीनार/प्रोजेक्ट रिपोर्ट/प्रस्तुति/मौखिक आदि = **20 अंक**

सहायक ग्रन्थ –

1. पद्मिनी – पं. मोहनलाल शर्मा, पाण्डेय– पाण्डेय प्रकाशन, जयपुर
2. अभिनव शुकसारिका (पूर्वभाग)– प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
3. शिवलहरी काव्य की सानुवाद समीक्षा – प्रो. हरकेश बैरवा, लोकवाणी संस्थान, दिल्ली
4. राजस्थानीयमभिनव संस्कृत साहित्यम् (खण्ड 1–5) – डॉ. गंगाधर भट्ट, राज. संस्कृत अकादमी जयपुर
5. राजस्थानस्याधुनिक संस्कृत कथालेखकाः – सं. पुष्कर दत्त शर्मा, राज. संस्कृत अकादमी, जयपुर
6. राजस्थान के संस्कृत कृतिकार–पं. शंकरलाल शास्त्री
7. आधुनिक संस्कृत काव्य परम्परा– डॉ. केशव मूसलगांवकर
8. अभिनव संस्कृत साहित्य का इतिहास– देवर्षि कलानाथ शास्त्री

अथवा
लघु शोध प्रबन्ध

अर्हता – प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित छात्र।

स्वरूप – 100 प्रष्ठों से अधिक होगा तथा विभाग के किसी प्राध्यापक के निर्देशन में लिखा जाएगा।

विषयवस्तु – लघु शोध प्रबन्ध किसी प्रकाशित/अप्रकाशित ग्रन्थ का अनुवाद कार्य, विवेचनात्मक, समालोचनात्मक व तुलनात्मक समीक्षात्मक कार्य किया जा सकेगा।

नोट – लघु शोध प्रबन्ध को तीन प्रतियों में परीक्षा तिथि से तीन सप्ताह पूर्व सम्बद्ध विभागाध्यक्ष की संस्तुति के साथ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।